Ans. (b) राजस्थान में मिट्टी अपरदन का सर्वाधिक क्षेत्र हाड़ौती पठार में पाया जाता है। राजस्थान में सर्वाधिक मृदा अपरदन वायु अपरदन से और उसके बाद जल अपरदन से होता है। राजस्थान में सर्वाधिक रेत के तूफान श्रीगंगानगर जिले में आते हैं।

359. घग्घर का 'दोआब मैदान' जो राजस्थान के हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों में पाया जाता है, वह निम्नलिखित किन दो नदियों के निक्षेपण से बना है?

(a) बनास और बाणगंगा नदियों द्वारा
(b) घग्घर और सतलज नदियों द्वारा
(c) जवाई और सुकड़ी नदियों द्वारा
(d) घग्घर और व्यास नदियों द्वारा

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (b) घग्घर का 'दोआब मैदान' जो राजस्थान के हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों में विस्तृत है वह घग्घर और सतलज नदियों के निक्षेपण से बनी हुई है। घग्घर नदी के घाट को 'नाली' कहते हैं। घग्घर नदी जिसे प्राचीन सरस्वती नदी के नाम से भी जाना जाता है, अपने रहस्यमयी ढंग से गायब होने के लिए विख्यात है।

360. राजस्थान के नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से कौन सी मिट्टी पाई जाती है?

(a) लाल लोम
(b) सिरोजेम्स
(c) भूरी मिट्टी
(d) रेतीली मिट्टी

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (b)नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से सिरोजम (धूसर मरूस्थलीय मिट्टी) मिट्टी पायी जाती है। सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। सीरोजम मिट्टी में बरानी खेती की जाती है। पीले व भूरे रंग की मिट्टी सीरोजम मिट्टी होती है। इसकी उर्वरा शक्ति कम होती है।

361. राजस्थान में भूरी मृदा पाई जाती है-

(a) जैसलमेर में
(b) भरतपुर में
(c) बूँदी में
(d) बाड़मेर में

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020

Ans. (c) राजस्थान में भूरी मृदा बनास एवं उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में पाया जाता है, जिसमें नाइट्रोजन व फॉस्फोरस का अभाव मिलता है। इन मिट्टियों का विस्तार राज्य के टोंक, बूंदी, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर आदि जिलों में है। राजस्थान में मुख्यतः 8 प्रकार की मिट्टियाँ पायी जाती है-

(1) लाल बलुई मिट्टी (2) भूरी मिट्टी (3) मरुस्थलीय मिट्टी (4) लाल दोमट मिट्टी (5) बलुई मिट्टी (6) जलोढ़ मिट्टी (7) लवणीय मिट्टी (8) पर्वतीय या पहाड़ी मिट्टी

• परन्तु आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

362. राजस्थान में भूरी मिट्टी का प्रसार क्षेत्र है–

(a) बनास नदी में प्रवाह क्षेत्र **(b)** राजस्थान का दक्षिणी भाग
(c) हाड़ोती पठार **(d)** अरावली के दोनों तरफ के भाग

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1944-95

व्याख्या—उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

363. राजस्थान में भूरी मृदा कहाँ <u>नहीं</u> पाई जाती ?

(a) टोंक (b) उदयपुर
(c) बूंदी (d) पाली

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

364. निम्नलिखित में से किस जिले में भूरी मृदाएँ मिलती है?

(a) बाड़मेर (b) नागौर
(c) जालौर (d) सवाई माधोपुर

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

365. राजस्थान में, निम्न में से कौन सा मृदा का सर्वाधिक उपजाऊ प्रकार माना जाता है?

(a) बालू मृदा
(b) पीली मृदा
(c) लाल एवं पीली मिश्रित मृदा
(d) जलोढ़ मृदा

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (d) जलोढ़ या कछारी मृदा जो राजस्थान राज्य के पूर्वी भू-भाग में पायी जाती है।

• इस मृदा की उर्वरता अधिक अधिक होती है जिस कारण इस मृदा में सभी फसलों की खेती प्रमुखता से की जाती है।

• राज्य में इस मृदा का विस्तार, भरतपुर, जयपुर, टोंक एवं सवाई माधोपुर आदि जिलों में पायी जाती है।

366. राजस्थान में निम्न में से किस स्थान पर इनसेप्टीमोल्स मृदा नहीं पायी जाती है?

(a) सिरोही (b) राजसमन्द
(c) भीलवाड़ा (d) बूँदी

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (d)राजस्थान की मृदा शुष्क और अर्द्ध जलवायु के तहत जटिल प्रकृति के विस्तृत चट्टानों पर मुख्य रूप से पार्श्वीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से विकसित हुई है। राज्य में इनसेप्टीसोल्स मृदा सिरोही, पाली उदयपुर, भीलवाड़ा राजसमन्द चित्तौडगढ़ जिलों में अरावली की तलहटी के साथ कुछ हिस्सों में पाई जाती है। इनसेप्टीसोल्स मृदा को पथरीली मृदा के नाम से भी जाना है।

367. राजस्थान के किस प्रदेश में अल्फीसोल्स समूह की मृदा मिलती है?

(a) जयपुर, अलवर, दौसा
(b) जैसलमेर, बाड़मेर, पाली
(c) उदयपुर, सिरोही, पाली
(d) कोटा, बूँदी, भरतपुर

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018
कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (a) राजस्थान में अल्फीसोल्स समूह की मृदा जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली, टोंक, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में पाई जाती है। इन मृदाओं में ऑरजिलिक संस्तर उपस्थित होते हैं जिनमें ऊपरी सतहों की तुलना में मटियारी मिट्टी की प्रतिशत मात्रा अधिक होती है।